मेट्रो का
मजा
पंकज चतुर्वेदी
चित्रः रत्नाकर सिंह

ISBN 978-81-237-6702-4

प्रथम संस्करण : 2013 *(शक 1934)*

© पंकज चतुर्वेदी, 2012

Metro Ka Mazaa *(Hindi Original)*

₹ 25.00

निदेशक, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II
वसंत कुंज, नई दिल्ली-110 070 द्वारा प्रकाशित

नेहरू बाल पुस्तकालय

मेट्रो का मजा

पंकज चतुर्वेदी

चित्रः रत्नाकर सिंह

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया

"तीन टिकट, छतरपुर के"
2

"तो यह है टिकट, मेट्रो का!
बिल्कुल सिक्के जैसा!!"
1
2

"यहां केवल सिक्के को
छुआना भर है।"

"वाह! ये सीढ़ियां तो
चल रही हैं!!"

00:03
"नहीं बेटे! इधर खड़े हो। वह
उतरने वालों के लिए है।"

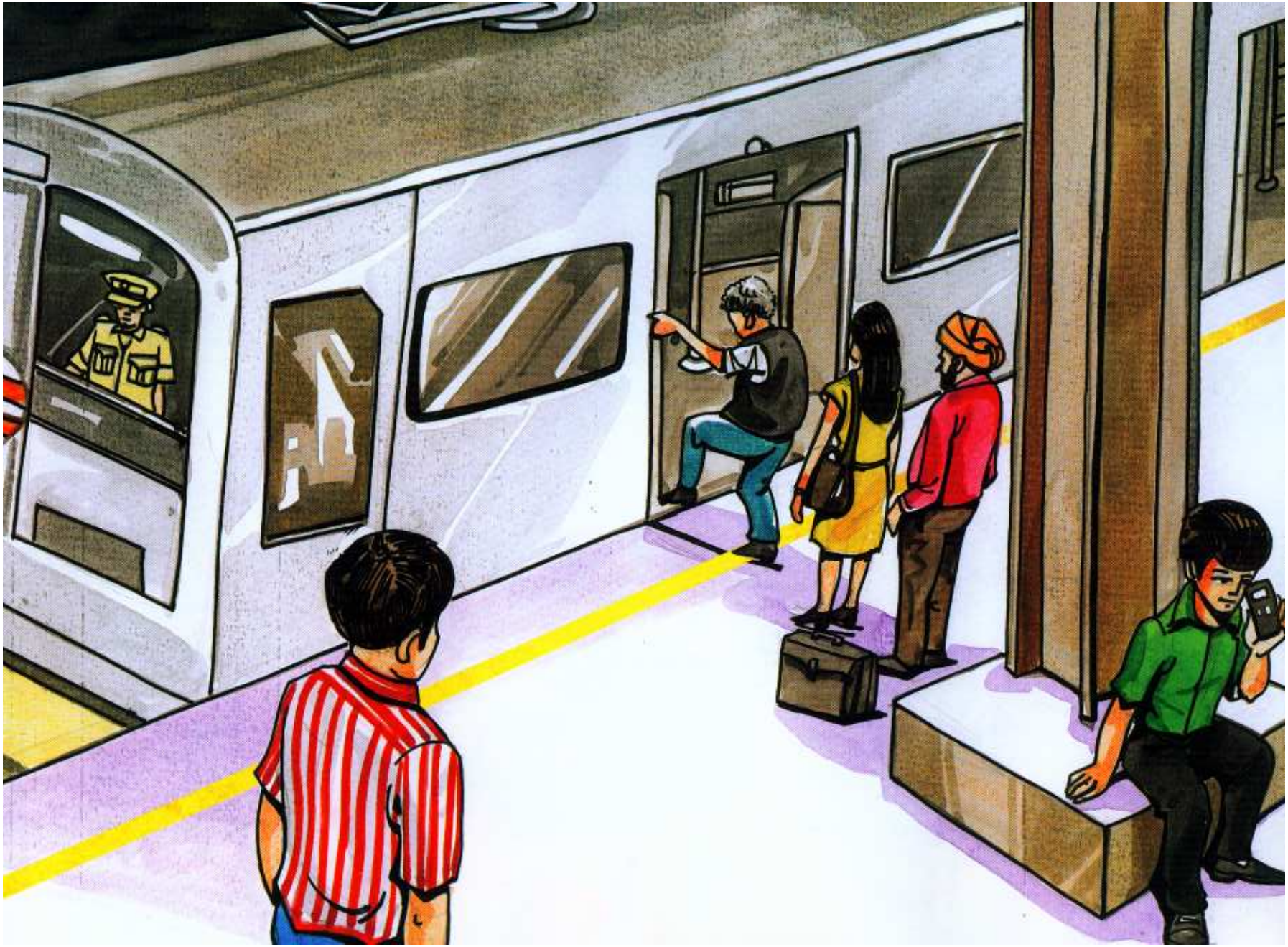

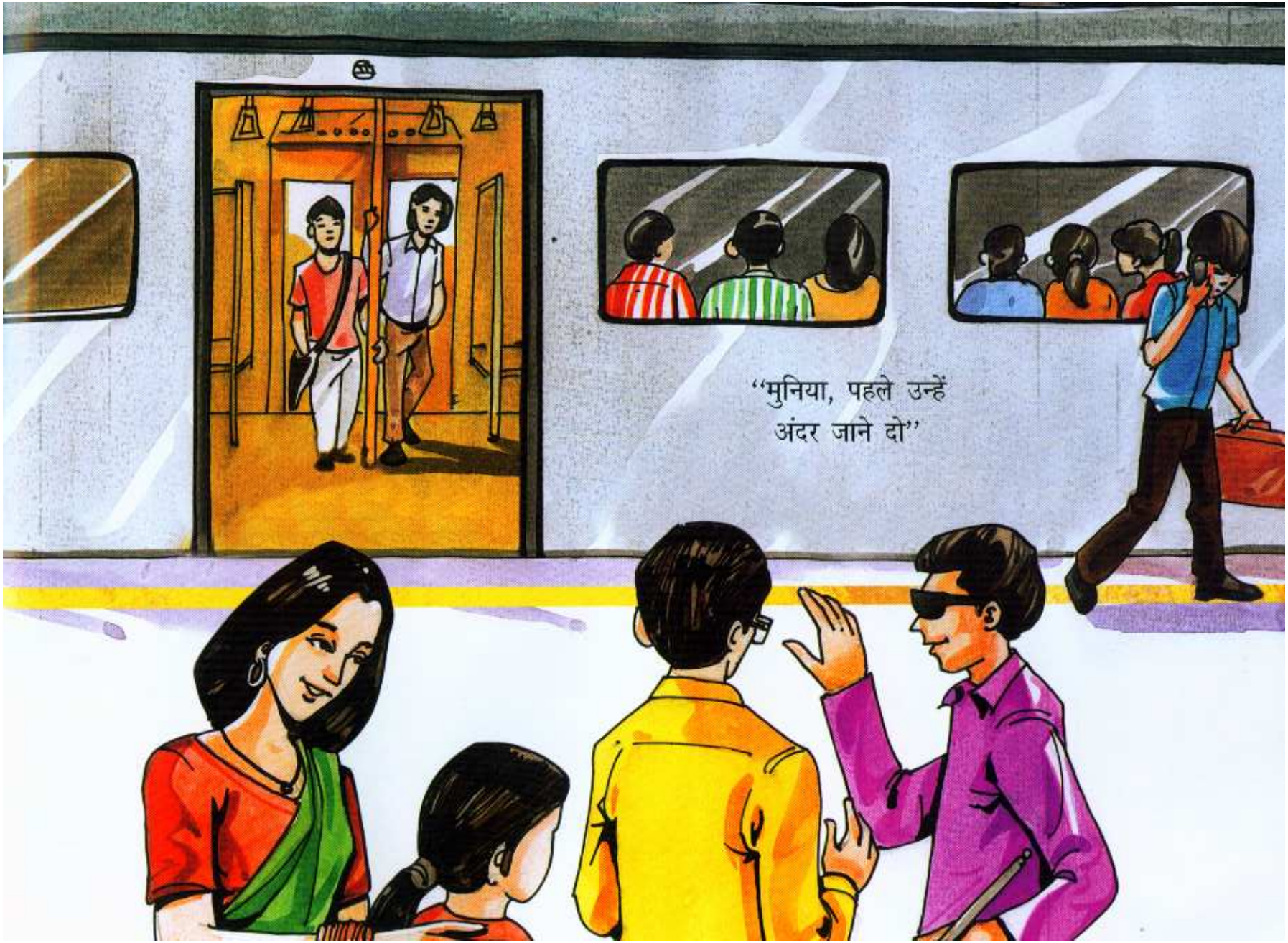
"मुनिया, पहले उन्हें
अंदर जाने दो"

"आप यहां बैठ जाईए"
केवल महिलायें

"मां, हमारा घर उस
तरफ है ना!"

"अभी मेट्रो गहरी सुरंग में चल रही है"
Ray

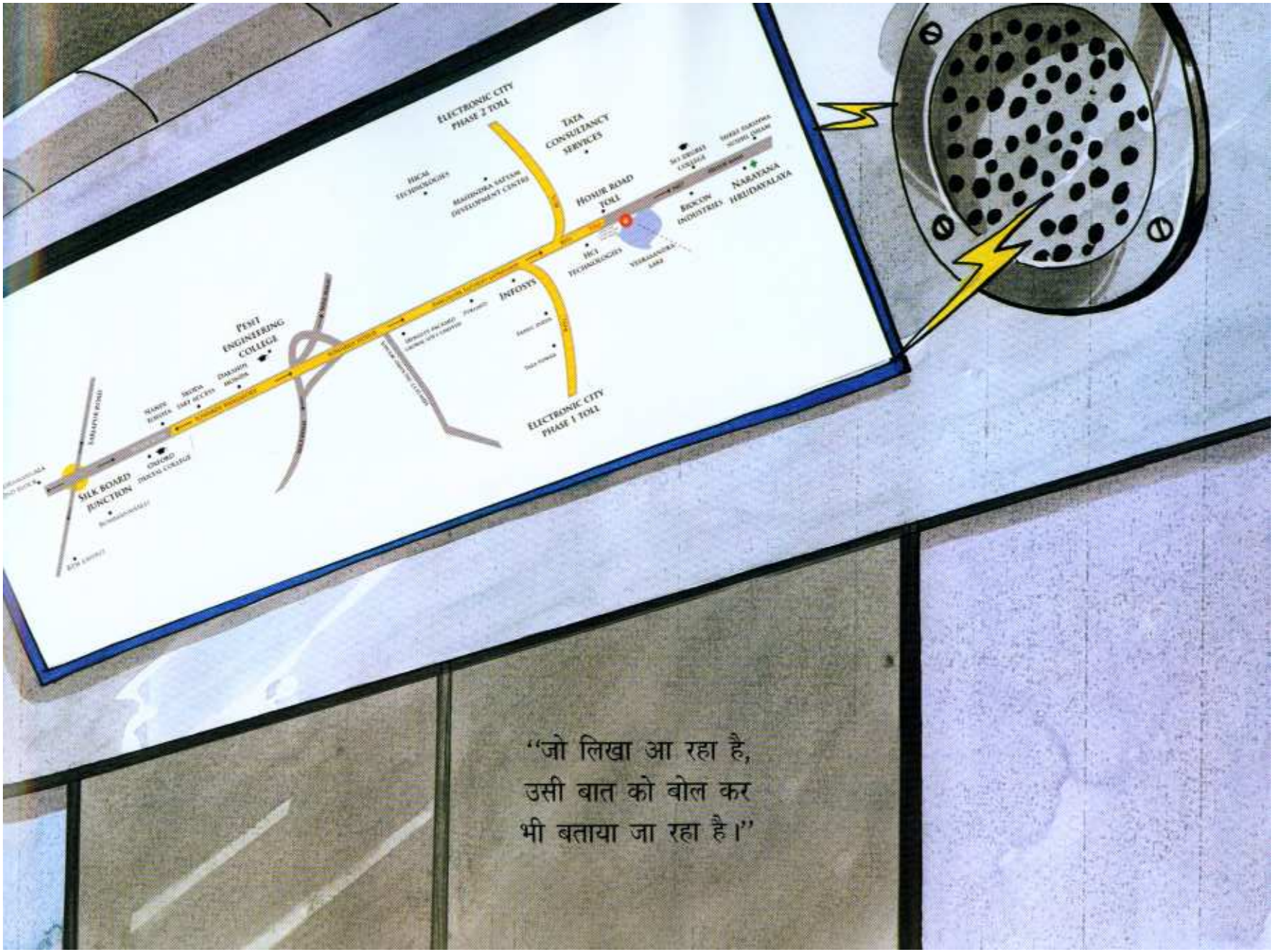
ELECTRONIC CITY PHASE 2 TOLL
TATA CONSULTANCY SERVICES
HOSUR ROAD TOLL
INFOSYS
PESIT ENGINEERING COLLEGE
SILK BOARD JUNCTION
ELECTRONIC CITY PHASE 1 TOLL
"जो लिखा आ रहा है,
उसी बात को बोल कर
भी बताया जा रहा है।"

वो देखो! इतना बड़ा जहाज!!
कहीं भीतर तो नहीं
जाएगा?

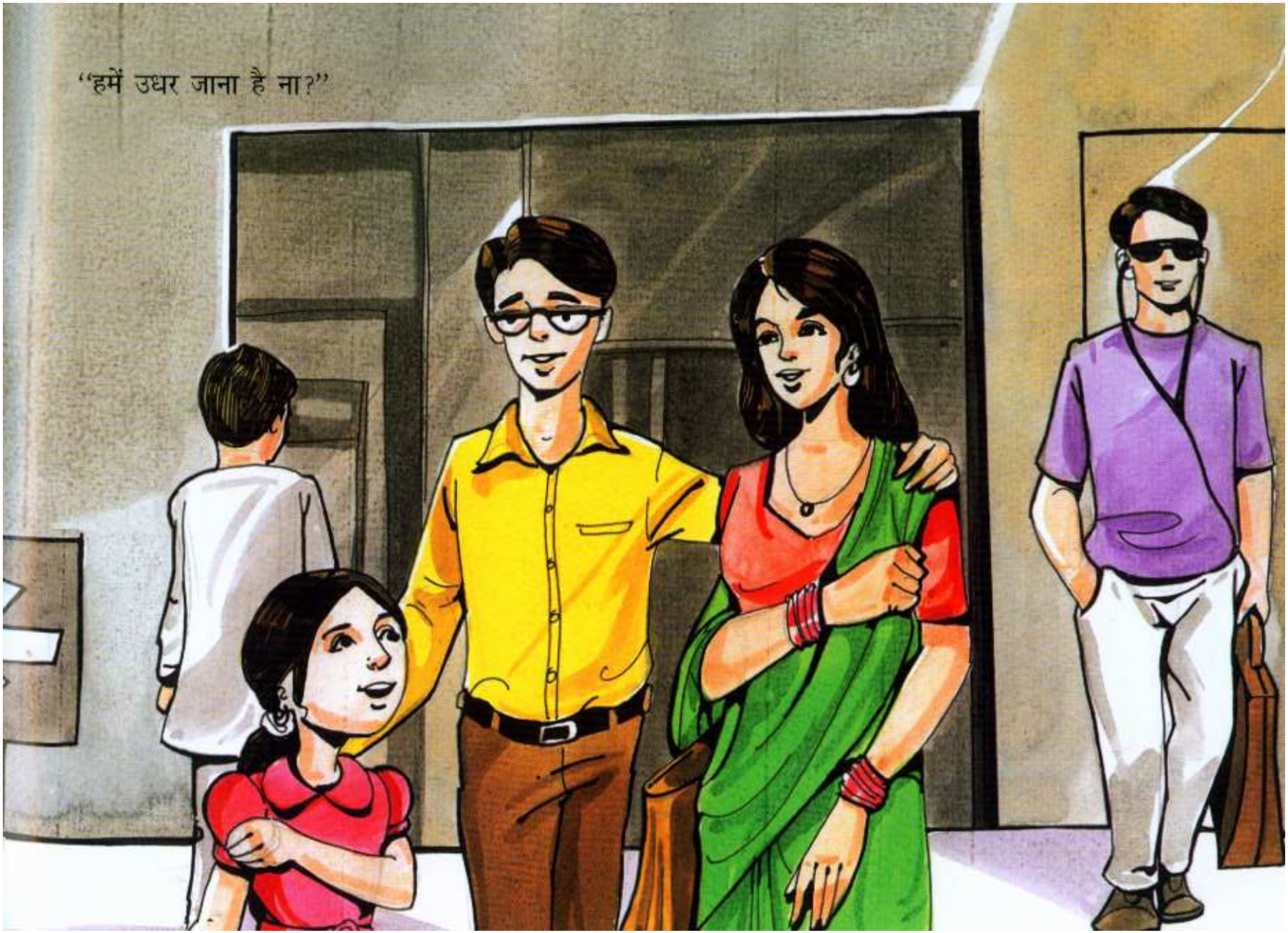
"हमें उधर जाना है ना?"

EXIT GATE
"अपने सिक्के को इसमें
डालो। तभी दरवाजा
खुलेगा।"

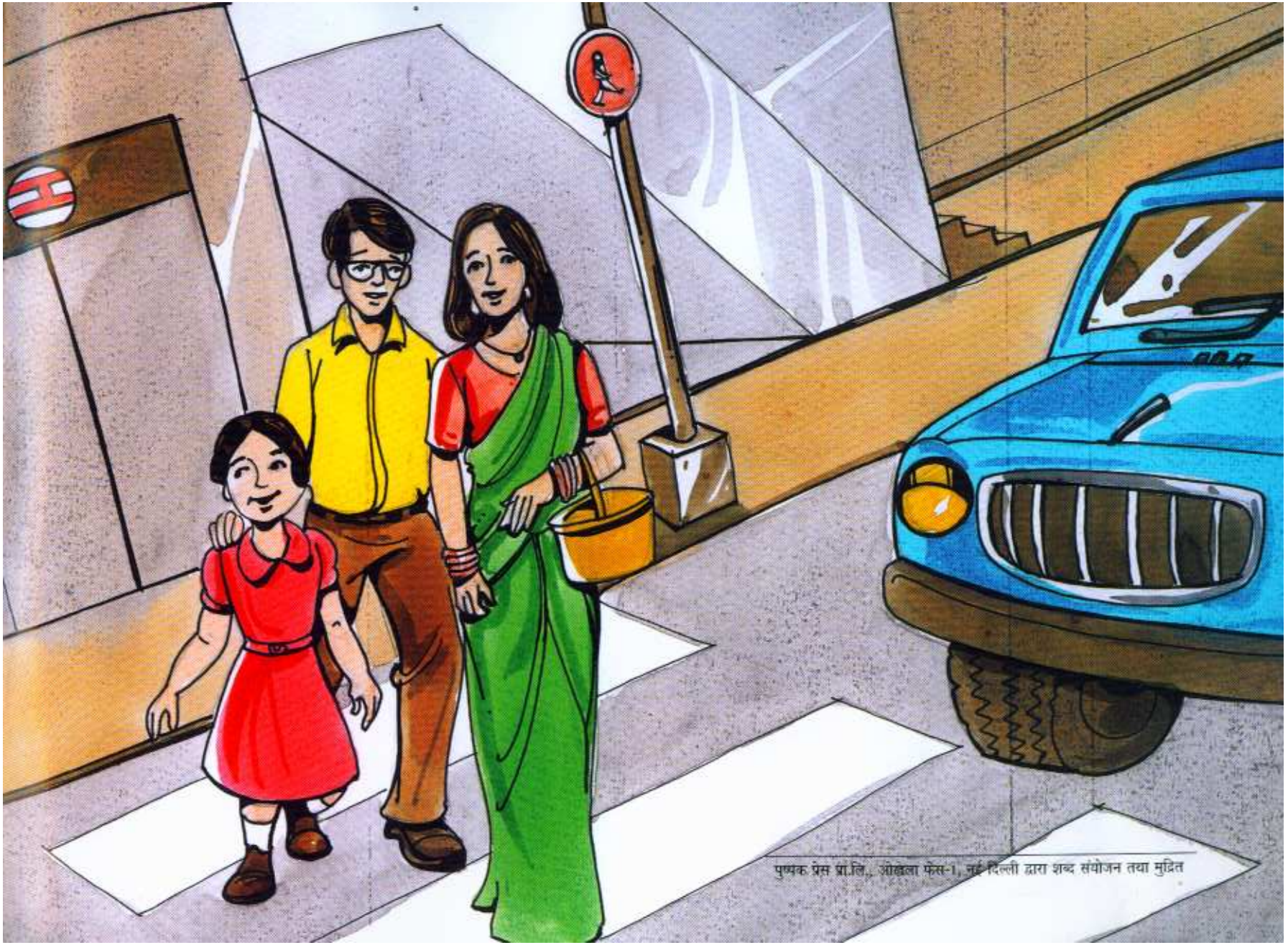

पुष्पक प्रेस प्रा.लि., ओखला फेस-1, नई दिल्ली द्वारा शब्द संयोजन तथा मुद्रित

NBT INDIA

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया

₹ 25.00
ISBN 812376702-1
9788123767024